अमर उजाला

नकली पीपीई किट का धंधा: दलालों का नया फंडा, लोगों के पास भेज रहे डीसी और विधायक से मंजूरी का फर्जी ऑडियो मैसेज

रोहतक ब्यूरो Updated Wed, 22 Apr 2020 11:30 PM IST

घरों के अंदर तैयार कराए जा रहे मास्क। - फोटो : Bhiwani

भिवानी। बिना मानकों और हाइजेनिक मापदंडों के घरों के अंदर तैयार कराई जा रही नकली पीपीई किट और मास्क का कारोबार ठप होता देख अब दलालों ने नया फंडा अपनाया है। इस गोरखधंधे से जुड़े दलाल अब एक ऑडियो लोगों में वायरल कर रहे हैं, जिसमें बोलने वाला कह रहा है कि विधायक जी की अभी डीसी साहब से बात हुई है, ये जो घरों में मास्क बन रहे हैं। इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है, बस थोड़ा सफाई का ध्यान रखा जाए और 18 साल साल से कम उम्र के बच्चे मास्क न बनाए, प्रशासन किसी भी व्यापारी को कोई दिक्कत नहीं करेगा। विधायक ने ऐसी किसी बातचीत से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि ये अपराध की श्रेणी में आता है, लेकिन फिर भी भोले-भाले लोगों को फांसने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

पिछले करीब एक माह से हरियाणा प्रदेश कोविड संक्रमण से जूझ रहा है। डॉक्टर्स और स्वास्थ्य कर्मचारी भी अपनी जान-जोखिम में डालकर मरीज को ठीक करने में हर संभव उपचार की कोशिशों में जुटे हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग बिना प्रमाणित और सुरक्षा मापदंडों के इन सेफ्टी किट को इस्तेमाल नहीं कर रहा है। चिकित्सा अधिकारियों की मानें तो स्वास्थ्य महानिदेशालय से ही सभी डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एन-95 मास्क और प्रमाणित पीपीई किट भेजी जा रही हैं, उन्हीं का इस्तेमाल हो रहा है।

इन प्रमाणित मापदंडों पर खरा उतरने के बाद ही डॉक्टर्स करते हैं पीपीई किट का इस्तेमाल

मुख्यालय से आई पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (पीपीई) की जांच के लिए स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों की एक टेक्निकल कमेटी बनाई गई है। जो इसकी प्रमाणिकता की जांच करती है। इस किट को आईएसआई और डब्ल्यूएचओ की प्रमाणिकता होने पर ही इस्तेमाल में लाया जा रहा है। इसके अलावा एन-95 मास्क भी स्वास्थ्य मुख्यालय से भेजा जा रहा है। उसकी प्रमाणिकता भी ये कमेटी जांचती है। सेफ्टी किट को भी कीटाणु रहित करने के लिए इंटीकेटर मशीन है। इसमें आधा घंटे स्टीम से हाई टैंपरेचर में रखा जाता है। कीटाणु रहित होने पर ही उसे इस्तेमाल किया जाता है।

खुद दानवीर भी इन्हीं डस्ट मास्क को मास्क के रूप में बांट रहे

शहर की अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं और दानवीर भी इन्हीं डस्ट मास्कों को असली मास्क के तौर पर लोगों व ड्यूटी दे रहे पुलिस कर्मचारियों को बांट रहे हैं। यही मास्क स्वास्थ्य विभाग को भी दिए गए, मगर अभी तक इनके इस्तेमाल पर संशय है।

स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय से डॉक्टर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए पीपीई किट और एन-95 मास्क आते हैं। उन्हीं का इस्तेमाल हो रहा है। ये सभी सुरक्षा उपकरण विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के हिसाब से तैयार किए गए हैं। -डॉ. जितेंद्र कादियान, सिविल सर्जन भिवानी।

मेरी डीसी से फोन पर ऐसी कोई बात नहीं हुई, जिसमें घरों के अंदर मास्क बनाना सही ठहराया हो। घरों के अंदर ऑर्डर पर मास्क बनाना गलत है, जिन फैक्टरियों ने मास्क व पीपीई किट बनाने की अनुमति अगर ले रखी है तो उसमें निर्धारित मापदंडों के हिसाब से ही बनें। वायरल ऑडियो में कोई सच्चाई नहीं है। - घनश्याम सर्राफ, विधायक भिवानी।

Source: https://www.amarujala.com/haryana/bhiwani/fake-ppe-kit-and-mask-making-issue-bhiwani-news-rtk551946271